खुशखबरी : यूपी की पहली जेल बनी

जेल की एसी में होगी बंदियों की पेशी

कानपुर, हमारे संवाददाता : वीडियोकांफ्रेसिंग एसी रुम में बंदियों की पेशी कराने वाला जिला कारागार यूपी का पहला कारागार बनने जा रहा है। मंगलवार को हुए ट्रायल के बाद सप्ताह भीतर इसके शुरू होने की संभावना है। हाईकोर्ट, लखनऊ एनआईसी (राष्ट्रीय सूचना केंद्र),कचहरी स्थित कानपुर एनआईसी व जिला कारागार में बैठे अधिकारियों ने वीडियोकांफ्रेंसिंग के जरिए बातचीत कर एक-दूसरे को बधाई दी। पेशी के दौरान अक्सर बंदियों के भागने और उनकी सुरक्षा पर भारी धनराशि का खर्च देखकर महानिरीक्षक कारागार प्रशासन एवं सुधार सुलखान सिंह ने 27 मार्च 2010 को यूपी की जेलों में वीडियोकांफ्रेंसिंग रुम बनाने के आदेश दिए थे। इसके लिए 2 करोड़ 27 लाख 22 हजार की धनराशि प्रस्तावित थी। जेल अधीक्षक रुद्रेश नारायण पांडेय के मुताबिक यूपी की यह पहली जेल है जहां वीडियोकांफ्रेंसिंग रूम बना है। मंगलवार को इसका ट्रायल किया गया।

जिला कारागार में इस एसी रूम में बैठे न्यायिक अधिकारी ने हाइकोर्ट में बैठे न्यायाधीश, लखनऊ एनआईसी व कानपुर एनआईसी में बैठे अधिकारियों से बातचीत की। करीब आधे घंटे से ज्यादा हुई बातचीत के बाद न्यायिक अधिकारियों ने ट्रायल पर प्रसन्नता जताकर जेल अधिकारियों को बधाई दी। जेल अधीक्षक के मुताबिक सप्ताह भीतर इसके शुरू होने के आदेश हाइकोर्ट से मिलने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि वीडियोकांफ्रेंसिंगरूम में पेशी होने से बंदियों के भागने व उनकी सुरक्षा की चिंता से मुक्ति मिलेगी। इस दौरान जेलर सतेंद्र सिंह, डिप्टी जेलर राजेंद्र सिंह, आलोक शुक्ला आदि मौजूद रहे।

- वीडियोकांफ्रेंसिंग रूम के ट्रायल में चार सेंटरों से हुई बातचीत
- बंदियों को कचहरी लाने व सुरक्षा की चिंता कम होगी